

# डॉ. जॉन ओसवाल्ट , निर्गमन, सत्र 11, निर्गमन 21-22

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट द्वारा निर्गमन की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 11, निर्गमन 21-22 है।

खैर, समय आ गया है, और अब है, तो चलिए शुरू करते हैं।

आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें। पिता, हम फिर से आपके पास आते हैं, और हम आप पर अपनी पूर्ण निर्भरता को पहचानते हैं। हम बाइबल का अध्ययन किसी अन्य पुस्तक की तरह कर सकते हैं और इससे कुछ मूल्य प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन यह कोई अन्य पुस्तक नहीं है।

यह परमेश्वर का वचन है, इसलिए हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप आएं और आज शाम हम पर अपनी आत्मा उंडेलें। हमें पवित्र पृष्ठ से परे आपका चेहरा देखने में मदद करें। हे प्रभु, हमें मुद्रित शब्दों से परे आपकी आवाज़ सुनने में मदद करें।

हे प्रभु, हमें आपसे मिलने में मदद करें, क्योंकि हम आपके वचन के माध्यम से आपके लिए अपने दिल खोलते हैं। आपके नाम में, हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

हम इस विशेष विभाजन के मध्य भाग, वाचा को देख रहे हैं।

हमने सबसे पहले वाचा की तैयारी को देखा, जिस तरह से परमेश्वर ने दोनों, दोनों नहीं, बल्कि तीन गुना, संज्ञानात्मक रूप से, उन्हें अतीत की याद दिलाई और भविष्य के लिए उनसे वादे किए, और उन्होंने उन्हें स्वेच्छा से तैयार भी किया क्योंकि उन्होंने उन्हें पूरा करने के लिए तीन कार्य दिए, जो वाचा के प्रति आज्ञाकारिता के मार्ग पर छोटे-छोटे कदम होंगे, और अंत में, प्रभावी रूप से, जब वह तुरही बजने की आवाज़ और पहाड़ पर नीचे आते धुँ और आग के दृश्य प्रभावों के साथ आया। अब, अध्याय 20 से 23 में, हमारे पास वाचा की प्रस्तुति है। हमने ऐतिहासिक, क्षमा करें, परिचय देखा: परमेश्वर ने उनके साथ यह वाचा बनाई।

फिर, अध्याय 20, श्लोक 2 में ऐतिहासिक प्रस्तावना में, जब हमें बताया गया कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से बाहर निकाला था। यही इस वाचा की भेंट और फिर वाचा का आधार है। हमने देखा कि अध्याय 20, श्लोक 1 से 17 में, हमारे पास शर्तों और शर्तों का सारांश है, और हमने देखा कि इन्हें मामलों के रूप में नहीं बताया गया है।

ये इस तरह नहीं बताए गए हैं कि अगर ऐसा होता है, तो आप ऐसा करें। यही हम आज शाम को देखने जा रहे हैं। बल्कि, इन्हें निरपेक्ष रूप से बताया गया है।

तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, या तुम्हें ऐसा करना चाहिए। और हमने इस बारे में बात की कि यह कैसे संभव है क्योंकि वाचा का निर्माता दुनिया का निर्माता है। और वह व्यक्ति कह सकता है, तुम ऐसा कभी नहीं कर सकते, या तुम्हें हमेशा ऐसा करना चाहिए।

एक राजा जो कानून संहिता प्रस्तुत कर रहा है, वह बस इतना ही कह सकता है कि इस तरह की स्थिति में, आपको यह करना होगा। उस तरह की स्थिति में, आपको वह करना होगा। क्यों? क्योंकि मैं राजा हूँ, और अगर तुम ऐसा नहीं करोगे तो मैं तुम्हें मार डालूँगा।

लेकिन यहाँ, इस उल्लेखनीय छोटे सारांश में, वे पूर्ण सिद्धांत हैं जिन पर वे मामले आधारित हैं, जिन्हें हम आज रात और फिर अगले सप्ताह देखने जा रहे हैं। अब, फिर, अध्याय 21 के अंत तक, श्लोक 18 में, श्लोक 26 में, हमारे पास एक तरह का अंतराल है। और यह दो भागों में है।

सबसे पहले, 18 से 21 तक। और हमें बताया गया है कि जब लोगों ने गड़गड़ाहट और बिजली की चमक और तुरही की आवाज़ और पहाड़ से धुआँ निकलते देखा, तो लोग डर गए और काँप उठे, और वे दूर खड़े होकर मूसा से कहने लगे, “तू हमसे बात कर और हम सुनेंगे, लेकिन परमेश्वर को हमसे बात न करने दे, कहीं ऐसा न हो कि हम मर जाएँ।” मूसा ने लोगों से कहा, “डरो मत, क्योंकि परमेश्वर तुम्हें परखने आया है, ताकि उसका भय तुम्हारे सामने रहे, ताकि तुम पाप न करो।”

लोग दूर खड़े थे जबकि मूसा उस घने अंधकार के पास पहुँच गया जहाँ परमेश्वर था। अब, यह हमें सबसे पहले क्या बताता है कि उन्हें दस आज्ञाएँ कैसे प्राप्त हुईं? हाँ, लेकिन वे क्या माँग रहे थे कि ऐसा न हो? परमेश्वर की आवाज़ सुनना। उन्होंने परमेश्वर की आवाज़ को दस आज्ञाएँ बोलते हुए सुना।

व्यवस्थाविवरण, अध्याय 4, श्लोक 12 पर जाएँ। कृपया कोई उसे पढ़ें। हाँ, अब कृपया 33 पढ़ें।

कोई? हम्म-हम्म। अब, अध्याय 5, श्लोक 23 से 27। आप मुझे सुन नहीं सकते।

और तुमने कहा, देखो, हमारे परमेश्वर यहोवा ने हमें अपनी महिमा और महानता दिखाई है, और हमने उसकी आवाज़ आग के बीच से सुनी है। आज हमने परमेश्वर को मनुष्य से बात करते देखा है, और मनुष्य अभी भी जीवित है। इसलिए, मुझे लगता है कि हम अक्सर इस पर ध्यान नहीं देते हैं।

बाइबल कहती है कि भगवान ने दस आज्ञाएँ एक श्रव्य आवाज़ में कही थीं। और 40 साल बाद, मूसा ने कहा, लोगों, इसे याद रखो। किसी और ने कभी भगवान को श्रव्य आवाज़ में बोलते नहीं सुना।

यह बहुत आश्चर्यजनक है। अब, उनकी प्रतिक्रिया क्या है? वापस पलायन की ओर। वे डरे हुए हैं, और वे चाहते हैं कि जो हो, वही हो। वे नहीं चाहते कि परमेश्वर उनसे अब और बात करे।

यह काफी दिलचस्प है। वे अपने और परमेश्वर के बीच थोड़ी दूरी चाहते हैं। अब, मूसा ने आयत 20 में परमेश्वर के ऐसा करने का क्या कारण बताया है? कोई? यह एक परीक्षा है।

किस बात की परीक्षा? ताकि परमेश्वर का भय हो। अब, ध्यान दें, वह कहता है, डरो मत। क्योंकि परमेश्वर तुम्हें परखने आया है, कि उसका भय तुम्हारे सामने रहे, और तुम पाप न करो।

अब, डरो मत क्योंकि भगवान चाहता है कि तुम डरो। यहाँ क्या हो रहा है? यह एक अलग तरह का डर है। यहाँ आतंक है।

अज्ञात का आतंक। विस्मयकारी का आतंक। अंधेरे से एक आवाज़ आ रही थी, और आपको नहीं पता कि यह कहाँ से आ रही है।

हाँ, भगवान को इस तरह के डर में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह एक सम्मान है। यह जवाब देने का एक तरीका है जहाँ आप भगवान के साथ खिलवाड़ नहीं करते।

आप अपने जीवन व्यवहार को बहुत सावधानी से चुनते हैं क्योंकि आप जानते हैं कि आप किस तरह के प्राणी के साथ व्यवहार कर रहे हैं। ईश्वर नहीं चाहता कि हम आतंक में जियें। ईश्वर नहीं चाहता कि हम उस घोर भय की भावना में जियें, जहाँ हमें नहीं पता कि वह हमारे साथ आगे क्या करने वाला है।

लेकिन वह चाहता है कि हम अपने जीवन को इस पूर्ण ज्ञान के साथ जिँएँ कि एक ईश्वर है जो हमारे व्यवहार के लिए हमें जवाबदेह ठहराएगा। वह नहीं चाहता कि वे अंतिम निर्णय पर आएँ और कहें, अच्छा, मुझे नहीं पता था। इसलिए, मूसा कहता है कि ईश्वर जानबूझकर ऐसा कर रहा था।

भगवान वास्तव में आप में विस्मय की भावना पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। हम यहाँ किससे निपट रहे हैं? एक आधा अंधा परदादा जो आकाश में रहता है और कहता है, ओह, यह सब ठीक है, प्रिय। नहीं, नहीं।

अद्भुत सृष्टिकर्ता स्वयं नैतिक रूप से शुद्ध है और अपने लोगों से भी नैतिक रूप से शुद्ध रहने की अपेक्षा करता है। ठीक है, अब इस छोटे से अंतराल का दूसरा चरण है। श्लोक 22 से 26।

अब, जैसा कि मैंने कहा, इन आयतों में आदेश हैं। और फिर भी, वे दस आज्ञाओं का हिस्सा नहीं हैं। और रूप में, वे आगे आने वाली आज्ञाओं के बिल्कुल अनुकूल नहीं हैं।

तो, आपको क्या लगता है यहाँ क्या हो रहा है? इन आयतों का क्या मतलब है? ठीक है। ठीक है। यह पूजा के बारे में है।

यह पूजा के इस पैटर्न को स्थापित करने के बारे में है। और हम निर्माता की पूजा करते हैं, न कि सृजित की। अब, यहाँ यह कहना क्यों महत्वपूर्ण है? वह उस तरह की वेदी के बारे में बात करता है जिसे आप बना सकते हैं।

तुम मेरे साथ चांदी के देवता नहीं बनाओगे। यहाँ इन बातों को कहने का क्या मतलब है, सारांश और पूर्ण रूप के बीच में, अगर आप चाहें तो? इसका संबंध मूर्तिपूजा से है। इस पुस्तक में जो

मूल मुद्दा चल रहा है वह यह है कि ईश्वर कौन है? मुझे लगता है कि यह भी उसी का संदर्भ देता है।

हाँ, हाँ। हाँ, लेकिन उन्होंने बाद में थोड़ा प्रयास किया। हाँ, मुझे लगता है कि यहाँ और बीच में यही हो रहा है।

वह कह रहा है, याद रखो कि यह सब क्या है। तुम्हारा नैतिक व्यवहार मेरी पूजा की अभिव्यक्ति है। अब, फिर से, यह नैतिकता को प्राचीन दुनिया में कहीं और की तुलना में पूरी तरह से अलग स्तर पर रखता है।

प्राचीन दुनिया में नैतिकता राज्य का मामला है। यह धर्म का मामला नहीं है। राजा इतना समझदार है कि वह जानता है कि जिस समाज में हर कोई झूठ बोलता है, वह समाज ढहने वाला है।

और इसलिए, वह कहता है, मेरे राज्य में कोई झूठ नहीं बोलेगा। क्यों? क्योंकि मैं ऐसा कहता हूँ। यहाँ, झूठ मत बोलो क्योंकि निर्माता झूठ नहीं बोलता।

यहाँ हमें कारण मिलता है कि क्यों एक ऐसा समाज ढह जाएगा जहाँ हर कोई झूठ बोलता है। यहाँ हमें कारण मिलता है कि क्यों एक ऐसा समाज ढह जाएगा जहाँ हर कोई हर किसी की चीज़ें चुराता है। बुतपरस्त इतने समझदार हैं कि वे जानते हैं कि वे मूर्ख लोग नहीं हैं।

वे यह जानने के लिए काफी समझदार हैं, ठीक है, मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन आप उस चीज़ को जारी नहीं रहने दे सकते। अगर आप ऐसा करते हैं, तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। अब, रूस को देखना मेरे लिए दिलचस्प है।

रूस, यूएसएसआर, मैं जिस बारे में बात कर रहा हूँ उसका एक आदर्श उदाहरण था। शासकों ने समझा कि आप चोरी की अनुमति नहीं दे सकते। शासकों ने समझा कि आप व्यभिचार की अनुमति नहीं दे सकते।

शासकों को यह समझ में आ गया था कि झूठ बोलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन यह बात उन पर लागू नहीं हुई क्योंकि वास्तविकता की प्रकृति में ऐसा लिखा नहीं है।

यह जीवन का एक व्यावहारिक तथ्य है। अब रूस में पश्चिमी संस्कृति का क्षय हो रहा है। और आज रूस में औसत नागरिक के लिए, जीवन KGB के तहत की तुलना में बहुत अधिक अनैतिक है।

क्योंकि पहले इसे नेतृत्व द्वारा आम लोगों पर लागू किया जाता था क्योंकि किसी भी कारण से समाज इसी तरह काम करता है। अब, बेशक, मैं फिर से कहता हूँ कि यह हम पर लागू नहीं होता। अब, आप कहते हैं कि पश्चिमी संस्कृति का क्षय हो रहा है। आपका क्या मतलब है? मेरा मतलब है, हम नैतिक, उल्लेखनीय रूप से नैतिक हुआ करते थे, क्योंकि हम समझते थे कि नैतिकता पूजा की अभिव्यक्ति है।

हमने 75 साल पहले उस विचार को खो दिया था, और हम उस गति पर चल रहे हैं, जो लुप्त हो रही है।

मुझे नैतिक क्यों होना चाहिए? इससे कोई फ़ायदा नहीं होता। झूठ बोलना सच बोलने से कहीं ज़्यादा व्यावहारिक है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह छोटा सा अंश बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि दस आज़ाओं और आने वाले उदाहरणों के बीच, नैतिक व्यवहार स्थापित करना पूजा की अभिव्यक्ति है।

हमें झूठ क्यों नहीं बोलना चाहिए? क्योंकि हमारा उद्धारकर्ता झूठ नहीं बोलता। खैर, हो सकता है कि झूठ बोलना कभी-कभी कारगर हो। किसे परवाह है? हमारा उद्धारकर्ता झूठ नहीं बोलता।

हो सकता है कि चोरी करना कभी-कभी कारगर हो। कौन परवाह करता है? हमारा उद्धारकर्ता चोरी नहीं करता। और इसलिए, हमारे पास सौ साल के ये अद्भुत, अद्भुत दो साल रहे हैं।

जहाँ एक संस्कृति उल्लेखनीय रूप से नैतिक रही है। क्योंकि उस संस्कृति के नीचे यह रहा है। अब, यह खत्म हो गया है।

और हम सोचते हैं कि नैतिकता कहाँ चली गई। ठीक है। अब हम इन परम सिद्धांतों के उदाहरणों पर आते हैं।

उन्हें मामलों के रूप में बताया गया है। अगर ऐसा होता है, तो आपको यही करना चाहिए। अब, जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में टिप्पणी की है, इस वाचा अनुभाग में तीन प्रकार के कानून आपस में जुड़े हुए हैं।

आपके पास नैतिक कानून हैं। नैतिक कानून पूर्ण सत्य को व्यक्त करते हैं। और उन्हें आम तौर पर पूर्ण रूप से कहा जाता है।

वे जीवन के मुद्दों से निपटने के लिए होते हैं। और सज़ा आम तौर पर मौत होती है। फिर आपके पास नागरिक कानून हैं।

सिविल कानून आम तौर पर मामलों के रूप में बताए जाते हैं। और आपके पास समयबद्ध रूप में सिद्धांत होते हैं। मुद्दों की सीमा बहुत व्यापक है।

जीवन के मुद्दों से लेकर आर्थिक मामलों तक। और इसी तरह, सज़ाएँ मौत से लेकर जुर्माने तक की होती हैं। मैंने इसके बारे में पहले भी बात की है।

लेकिन मैं इसे एक उदाहरण के रूप में फिर से कहना चाहता हूँ। मेरा क्या मतलब है? समयबद्ध रूप। आप उन मामलों से निपट रहे हैं जो नागरिक समाज से संबंधित हैं।

तो, आपके पास सींग वाले बैल का कानून है। मेरे पास एक बैल है। और मैं जानता हूँ कि वह दुष्ट है।

और मैं उसे नहीं मारता। और वह तुम्हें मार डालता है। मैं एक हत्यारा हूँ।

और मैं मृत्यु दंड का हकदार हूँ। दूसरी ओर, मेरा बैल हमेशा तितली की तरह सौम्य रहा है। और इसलिए, ज़ाहिर है, मैं उसे नहीं मारता।

मुझे क्यों करना चाहिए? एक दिन, बिना किसी स्पष्ट कारण के, वह पागल हो जाता है और मेरे पड़ोसी को मार देता है। मैं निर्दोष हूँ। और मेरे पड़ोसी का परिवार मुझसे खून का बदला नहीं ले सकता।

खैर, मुझे यह कानून इसलिए पसंद है क्योंकि मेरे पास कोई बैल नहीं है। हालाँकि, मेरे पास एक कार है। और मुझे पता है कि उसके ब्रेक खराब हैं।

और मैं किसी तरह गाड़ी चलाता हूँ। और ब्रेक फेल हो जाते हैं। और मैं तुम्हें मार देता हूँ।

केंटकी राज्य चाहे जो भी कहे, भगवान कहते हैं कि मैं एक हत्यारा हूँ। अब, जहाँ तक मुझे पता था, मेरे ब्रेक ठीक थे। मेरे पास उनके बारे में आश्चर्य करने का कोई कारण नहीं था।

और अचानक, वे असफल हो जाते हैं। और मैं तुम्हें मारता हूँ और तुम्हें मार डालता हूँ। केंटकी राज्य चाहे जो भी कहे, मैं इसके लिए उत्तरदायी नहीं हूँ।

सिद्धांत क्या है? सिद्धांत यह है कि ज्ञान ही जिम्मेदारी है। लेकिन सिद्धांत को समयबद्ध रूप में बताया गया है। इसलिए हमेशा, सिविल कानूनों में, हमें लगातार अनुवाद करते रहना चाहिए।

यहाँ सिद्धांत क्या है? शाश्वत, अपरिवर्तनीय सिद्धांत जो इस समय-बद्ध सेटिंग में व्यक्त किया जाता है। अंत में, फिर, अनुष्ठानिक कानून है। अनुष्ठानिक कानून निरपेक्ष शब्दों और मामलों दोनों में व्यक्त किया जाता है।

यह पूजा से संबंधित है। इसकी सज़ा पूजा से बहिष्कृत करना है, और इसे अक्सर समुदाय के संदर्भ में कहा जाता है।

ये नियम वस्तुगत पाठ हैं। वे एक आध्यात्मिक सत्य सिखा रहे हैं। पाप कितना गंभीर है? आपको अपने झुंड से एक मेमना लाने की ज़रूरत है।

एक ऐसा मेमना जो एक मेमने जैसा ही हो। कोई दोष नहीं। जिसे आप बाजार में बेच सकते हैं और अच्छी कीमत पा सकते हैं।

उस तरह का एक मेमना। और आप उसे लाते हैं। और आप अपना हाथ उसके सिर पर रखते हैं।

और तुम, पापी, उसका गला काटते हो जबकि पुजारी खून को पकड़ता है। पाप कितना गंभीर है? जीवन और मृत्यु गंभीर हैं। पाप की कोई क्षमा नहीं है।

लेकिन खून के बहाव में। लेकिन एक दिन, वह जंगली आदमी, जॉर्डन के किनारे, एक फटे पुराने ऊँट की खाल पहने हुए था। अगर आप ऊँटों के बारे में जानते हैं, तो आप जानते होंगे कि ऊँट की खाल से बेहतर पहनने के लिए और भी चीज़ें हैं।

वह आदमी कहता है, देखो परमेश्वर का मेमना जो जगत का पाप उठा ले जाता है। और बलिदान की व्यवस्था एकदम रुक जाती है। क्योंकि आप देखिए, वस्तुगत शिक्षाओं के बारे में दो बातें हैं।

मैं छोटे जॉनी को एक बहुत ही जटिल गणितीय अमूर्तता सिखाना चाहता हूँ। और वह है वह घुमावदार रेखाएँ, क्रॉस, घुमावदार रेखाएँ, समानांतर रेखाएँ, मुड़ा हुआ क्रॉस। अब, दोस्तों, यह एक उच्च-स्तरीय अमूर्तता है।

तो मैं उसे कैसे पढ़ाऊँगा? जॉनी, मेरे पास कितने मार्कर हैं? डैडी, कितने मार्कर हैं? एह, एह, तीन। नहीं, नहीं, नहीं। फिर से कोशिश करो।

दो. हाँ, हाँ. तुम होशियार हो.

तुम अपनी माँ की तरह बनो। ठीक है, चलो। मेरे पास कितने मार्कर हैं? डैडी, क्या मैं दूसरा देख सकता हूँ? नहीं।

कितने? दो। अच्छा, अच्छा। अब, कितने मार्कर? ओह, डैडी।

जब मैं दो को दो में जोड़ता हूँ तो मेरे पास कितने होते हैं? चार। हाँ, हाँ, हाँ। समझ गए।

ऑब्जेक्ट लेसन। अब, ऑब्जेक्ट लेसन के बारे में दो बातें हैं। पहली बात, उन्हें हर बार पूरी तरह से करना होता है।

दो और दो मिलकर चार होते हैं। दो और दो मिलकर चार होते हैं। हर बार, इसे बिल्कुल सही तरीके से करना होगा।

इसमें किसी तरह की हेराफेरी की गुंजाइश नहीं है। यह बहुत बढ़िया काम है। यह नंबर एक है।

दूसरा, एक बार जब आप बात समझ जाते हैं, तो आपको वस्तुओं की ज़रूरत नहीं रह जाती। जॉनी कॉलेज जाकर कैलकुलस करने जा रहा है। जब वह दरवाज़े से बाहर जाता है, तो मैं पूछता हूँ, जॉनी, क्या तुम्हें 50,000 मार्कर मिल गए हैं? वह कहता है, नहीं, डैड, मुझे लगता है कि मुझे मिल गए हैं।

मुझे लगता है कि मैं समझ गया हूँ। इसलिए, नैतिक कानून सभी समय, सभी स्थानों, सभी लोगों के लिए है, जैसा कि यह है। नागरिक कानून एक कालातीत सिद्धांत है, लेकिन समय-निर्धारित रूप में समाहित है।

अनुष्ठानिक कानून आध्यात्मिक सत्य सिखाने वाले वस्तुगत पाठ हैं। इसलिए, हमारे विरोधी कहेंगे, ठीक है, आप कहते हैं कि हमें दस आज्ञाओं का पालन करना चाहिए। फिर आप लोग भेड़ों की बलि क्यों नहीं देते? क्योंकि दस आज्ञाएँ अनुष्ठानिक कानून के समान स्तर पर नहीं हैं, इसलिए।

तो क्या मसीह के आने से व्यवस्था खत्म हो गई? बिलकुल नहीं। बिलकुल नहीं। क्या इसके कुछ पहलू हैं जो मसीह के आने से खत्म हो गए? बिलकुल।

लेकिन, स्थायी नैतिक सिद्धांतों के संदर्भ में, वे स्वयं निर्माता द्वारा चीजों की प्रकृति में लिखे गए हैं। ठीक है, यह सब हमें यहाँ शुरू करने के लिए है। लेकिन यह सब कहने का मतलब है, नैतिकता, कानून संहिता को एक वाचा के संदर्भ में रखकर, नैतिकता को पूरी तरह से अलग आधार पर रखती है, जो कि निकट पूर्व में हर जगह है।

यह बताया गया है कि इनमें से कई मामले जो हम देखने जा रहे हैं, और सबसे क्लासिकल, गोरिंग ऑक्स का कानून, उनमें से कई प्राचीन दुनिया के अन्य कानून संहिताओं में पाए जाते हैं। इसलिए, अक्सर कहा जाता है, ठीक है, मूसा ने कहीं से किताब से कुछ कॉपी किया है। नहीं, भगवान बहुत किफायती हैं।

यदि ये बुतपरस्त लोग इतने बुद्धिमान हैं कि वे कुछ स्थायी सिद्धांतों की खोज कर सकते हैं, तो परमेश्वर कहता है, पहिये का पुनः आविष्कार क्यों किया जाए? लेकिन अंतर यह है कि प्रेरणा में अंतर है। मैं ऐसा क्यों करता हूँ? क्योंकि यह मेरे वाचा के प्रभु की इच्छा को व्यक्त करता है, जिसने मुझे कैद से छोड़ा है और जो दुनिया का निर्माता है। तो, पूरा क्यों मौलिक रूप से बदल गया है।

और यही दुनिया में बहुत बड़ा अंतर पैदा करता है। ठीक है। तो, 21 से 23 इन सिद्धांतों के उदाहरण हैं।

चोरी न करने का क्या मतलब है? झूठ न बोलने का क्या मतलब है? व्यभिचार न करने का क्या मतलब है, आदि, आदि? तो, 21, 1 से 11, ये आदेश किस बारे में हैं? आप नौकरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। अब, क्या यह दिलचस्प नहीं है? फिर से, मुझे नहीं पता कि कानून यहाँ जिस क्रम में हैं, वे क्यों हैं। इसलिए, मैं यह नहीं कह सकता कि मेरे पास इसका उत्तर है, और मुझे आशा है कि आप इसका पता लगा लेंगे।

मैं बस यही चाहता हूँ कि हम संभावित व्याख्याओं के बारे में सोचें। आप वाचा के पालन के इन उदाहरणों की शुरुआत दासों के साथ व्यवहार करने के नियमों से क्यों करेंगे? सबसे पहले, वे दास होने के नाते आए थे। इसलिए, उन्हें कभी-कभी यह भूलने में आसानी होती है कि आप कहाँ से आए हैं।



और भगवान कह रहे हैं, नहीं, ऐसा मत करो। क्या तुम नहीं कहते, अहा, अब मैं आज़ाद हूँ; अब मैं दूसरे लोगों पर अत्याचार कर सकता हूँ? नहीं, नहीं।

याद रखें, आप गुलाम नहीं हैं इसका एकमात्र कारण अनुग्रह है। और इसलिए, आप उन पर भी अनुग्रह करते हैं। जब आप एक हिब्रू गुलाम खरीदते हैं, तो उसे छह साल तक सेवा करनी होगी, और सातवें साल में, वह बिना किसी कीमत के मुक्त हो जाएगा।

जैसा कि मैंने पृष्ठभूमि में बताया, हम यहाँ जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह हमारे शुरुआती दिनों में गिरमिटिया दासता कहलाती थी। अब, पुराने नियम में कई जगहों पर यह स्पष्ट है कि इब्रानियों के पास दास थे। ऐसे लोग जिनके पास कोई आज़ादी नहीं थी और जिनके पास आज़ाद होने की कोई संभावना नहीं थी।

ये आम तौर पर युद्ध में पकड़े गए विदेशी लोग थे। यह उस बारे में नहीं है। यह ऐसी स्थिति के बारे में बात कर रहा है जहाँ एक व्यक्ति गरीबी में और भी अधिक डूब गया है, और उसके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है और न ही कुछ करने के लिए।

इस तरह का व्यक्ति छह साल के लिए खुद को आपको बेच सकता है। और उनके श्रम के बदले में, आप उन्हें रहने और खाने की सुविधा देते हैं। और उस समय के अंत में, उम्मीद है कि वे थोड़ी आय अर्जित करने में सक्षम होंगे और इस अवधि के बाद फिर से अपने पैरों पर खड़े हो सकेंगे।

तो सातवें साल में आज़ादी के पूरे मुद्दे पर हम इसी बारे में बात कर रहे हैं। यह इस तरह की स्थिति के लिए है। मेरी अपनी विरासत के कारण मुझे इसमें विशेष रुचि है।

मैं मेनोनाइट वंश से आता हूँ। मेनोनाइट लोगों से कैल्विनिस्ट और लूथरन दोनों ही नफरत करते थे। कैथोलिकों की तो बात ही छोड़िए।

और इसलिए, उन्होंने स्विटजरलैंड से शुरुआत की। उन्हें स्विटजरलैंड से बाहर सताया गया। उनमें से कई दक्षिण-पश्चिम जर्मनी चले गए।

अन्य लोग हॉलैंड चले गए। दक्षिण-पश्चिम जर्मनी में रहने वाले लोगों को भी सताया गया। इसलिए, उनमें से कई लोगों ने नई दुनिया में आने का फैसला किया।

1700 और 1755 के बीच 70,000 मेनोनाइट पेनसिल्वेनिया आए। खैर, उन्हें राइन नदी से होकर डच बंदरगाहों तक जाना पड़ा। इसका मतलब यह था कि वे फ्रांस से होकर नहीं जाना चाहते थे।

वहाँ मौत की सज़ा है। लेकिन उनमें से कई के लिए, राइन नदी लुटेरों से भरी हुई थी। उनमें से कुछ कानूनी हैं, और उनमें से कुछ कानूनी नहीं हैं।

कानूनी तौर पर कर वसूलने वाले लोग कहलाते थे। बहुत से मेनोनाइट, रॉटरडैम या एम्स्टर्डम पहुँचने तक, पैसे-पैसे से वंचित हो चुके थे। उनके पास जो कुछ भी था, उन्होंने बेच दिया था और पैसे नदी में उतरने में खर्च हो गए थे।

इसलिए, उनमें से बहुत से लोगों ने खुद को समुद्री कप्तानों को गिरमिटिया नौकरों के रूप में बेच दिया। जब वे फिलाडेल्फिया पहुँचे, तो समुद्री कप्तान ने बदले में, उनके गिरमिटिया को किसी अमेरिकी को बेच दिया। और फिर ये लोग गिरमिटिया नौकरों के ज़रिए अपना गुज़ारा करते थे।

यही तो यहाँ हो रहा है। ये वे लोग हैं जो, शायद अपनी मर्जी से या फिर अपनी गलती से, अपनी पारिवारिक ज़मीन पर काम करना जारी रखने में असमर्थ हैं। और इसलिए, वे खुद को बेच देते हैं।

तो यही तो यहाँ हो रहा है। और यह दिलचस्प है कि यहाँ आपको कई मुद्दों से निपटना है। अगर वह पत्नी के साथ आता है, तो वह पत्नी और बच्चों के साथ बाहर भी जा सकता है।

अगर वह बिना पत्नी के आता है और मालिक उसे अपने अन्य गिरमिटिया नौकरों में से एक पत्नी देता है, तो वह उसके सात साल पूरे होने तक वहीं रहती है - यह मानते हुए कि उसके सात साल अभी पूरे नहीं हुए हैं। और यह उस समय की बात है जब आपके पास लकड़ी में एक सुआ घुसाने की मशहूर तस्वीर है जिसमें कहा गया है, मैं अपनी गिरमिटिया को स्थायी बनाता हूँ क्योंकि मैं अपनी पत्नी और हमारे बच्चों से प्यार करता हूँ।

दिलचस्प। ठीक है। क्या आप इस पर और कुछ कहना चाहेंगे? हाँ।

जाहिर है, सात साल का चक्र निरपेक्ष था। इसलिए, उनके सात साल के चक्र कभी मेल नहीं खाएंगे। उसे और सात साल के लिए साइन अप करना होगा, जिसके बीच में उसके सात साल पूरे हो जाएंगे और वह मुक्त हो सकती है, लेकिन वह नहीं कर सकता।

इससे नहीं। हाँ। हाँ।

हाँ। ठीक है। और मुझे संदेह है कि इसका एक हिस्सा बस जटिलता है जो इसमें शामिल होने लगती है, और यह बस इसे सरल रखने की कोशिश कर रहा है।

इस पर और कुछ? ठीक है। आइए 12 से 17 पर नज़र डालें। यहाँ आम विषय क्या है? हिंसा।

हाँ। हाँ। अगर आप किसी आदमी को इस तरह मारें कि वह मर जाए, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी।

लेकिन अगर वह उसके लिए घात में नहीं बैठा था, लेकिन भगवान ने उसे उसके हाथ में पड़ने दिया, तो मैं तुम्हारे लिए एक जगह तय करूँगा जहाँ वह भाग सकता है। अब फिर से याद करो कि आदिम समाजों में खून खून की माँग करता है। अन्यथा, जीवन इतना सस्ता हो जाता है कि यह बेकार हो जाता है।

जैसा कि हम अपने किसी भी बड़े शहर में देख सकते हैं। इसलिए, अगर आप और मैं जंगल में काम कर रहे हैं, पेड़ काट रहे हैं, और मेरी कुल्हाड़ी का सिर उड़कर आपको मार देता है, तो

आपके परिवार को बदले में मेरा खून मांगने का अधिकार है। यह सामान्य रूप से समाज में होता है।

अब, यह विशेष कानून क्या कह रहा है? उस स्थिति में, मैं बनाऊँगा। क्या आपको शरण नगर याद है? बाद में संख्या और व्यवस्थाविवरण में, यह बताया गया है कि ये नगर कैसे स्थापित किए जाते हैं। और अगर मेरे साथ ऐसा होता है, और तुम्हारा परिवार मेरे पीछे आता है, यह माँग करते हुए कि तुम्हारा खून मेरे खून से चुकाया जाए, तो मैं शरण नगर में जा सकता हूँ और महायाजक के मरने तक वहाँ रह सकता हूँ। और एक नया महायाजक नियुक्त किया जाता है, और उस समय, यह मुफ्त दिन होते हैं।

और मैं वापस वहीं जा सकता हूँ जहाँ मैं था। अब हम कहते हैं, ठीक है, आप क्यों नहीं कहते कि अगर यह आकस्मिक था, तो आप निर्दोष हैं, और बस यही है। फिर से, रक्त का महत्व।

खून बहा है, और आप इसे भूल नहीं सकते। और यह उससे संबंधित है, मैंने आपसे इस बारे में बात की है: यीशु को क्यों मरना पड़ा? क्योंकि परमेश्वर पाप को अनदेखा नहीं कर सकता, इसलिए। इसलिए, यहाँ हिंसा से निपटा जा रहा है; जो कोई भी अपने पिता या माता पर प्रहार करेगा, उसे मृत्युदंड दिया जाएगा।

जो कोई किसी आदमी को चुराता है और उसे बेचता है, अपहरण करता है, उसे मौत की सज़ा दी जानी चाहिए। जो कोई अपने पिता या माँ को कोसता है, उसे भी मौत की सज़ा दी जानी चाहिए। बेशक, यह अपने पिता और माँ का सम्मान करने का दूसरा पहलू है।

यह उस बात के बिलकुल विपरीत है। और फिर, जैसा कि हमने पिछली बार बात की थी, यह कहने का एक तरीका है कि मैं खुद बना हूँ और किसी का कुछ भी कर्जदार नहीं हूँ। और भगवान कहते हैं, जब आप ऐसा कहना शुरू करते हैं, तो आप लगभग असाध्य हो जाते हैं।

यह लगभग खत्म हो चुका है। ठीक है, क्या आप इस पर और कुछ कहना चाहते हैं? बस कॉर्पोरेट तरीके को अपनाएँ, चर्च को पैसे दें और फिर माता-पिता के समर्थन के लिए कुछ भी न दें। और यही बात यीशु कह रहे थे : अपने कानून के द्वारा, तुमने परमेश्वर के कानून को निष्प्रभावी बना दिया है।

अब याद कीजिए, हम यहाँ जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह यह है कि बेबीलोन में निर्वासन से लौटने के बाद, विचारशील यहूदियों ने कहा, हमारे साथ ऐसा क्यों हुआ? खैर, जवाब यह है कि हमने कानून तोड़ा, इसलिए। और आपके पास 613 कानून हैं। तो हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि हम ऐसा दोबारा न करें और हमारे साथ ऐसा दोबारा न हो? हम 1,200 व्याख्याएँ करते हैं, जो हमें यह जानने में मदद करेंगी कि हम इनका उल्लंघन कर रहे हैं या नहीं।

तो, बाइबल कहती है, सब्त के दिन काम मत करो। खैर, काम क्या है? इसमें इसका कोई ज़िक्र नहीं है। तो, हम इसका ज़िक्र करेंगे।

अपनी जेब में कुछ रखना काम है। इसलिए, सब्बाथ के दिन, आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपकी जेब खाली हो। कुछ लिखना भी काम है।

तो, कोई कागज़ नहीं, कोई पेंसिल नहीं, कोई टैबलेट नहीं, कोई लेखक नहीं, कुछ भी नहीं। आज यरूशलेम के रूढ़िवादी हिस्से में, पर्यटकों को सावधानी से चेतावनी दी जाती है और सब्बाथ पर चीजें लिखने से मना किया जाता है। यदि आप ऐसा करते हैं, और आप उस हिस्से में हैं, तो आप पर भीड़ का हमला होगा, और आप शायद ज़िंदा बच न पाएं।

आप ईश्वर के नियम का उल्लंघन कर रहे हैं। खैर, यह उन व्याख्याओं में से एक है। इसमें कहा गया है, अपने पिता और माता का आदर करो।

इसका क्या मतलब है? खैर, इसका मतलब यह नहीं है कि आप चर्च को वह नहीं दे सकते जो आप उन्हें देना चाहते थे। आप दे सकते हैं। और यीशु कहते हैं, अपने कानून के द्वारा, आपने परमेश्वर के कानून को निष्प्रभावी बना दिया है।

हाँ। क्या आप सबने सुना? अस्पताल में एक सब्बाथ लिफ्ट है, जो हर मंजिल पर अपने आप रुक जाती है, इसलिए आपको अपना हाथ उठाकर बटन दबाने की ज़रूरत नहीं है। लाइट स्विच चालू करना, हाँ।

हाँ, हाँ, आप सब्त के दिन 200 गज से ज़्यादा की यात्रा नहीं कर सकते।

तो, इसका मतलब है कि पूजा ऐसे केंद्रों में होनी चाहिए जो एक दूसरे से 200 गज की दूरी पर हों। हाँ, हाँ, हाँ। लेक्सिंगटन में सालों पहले रब्बी के पास एक घर था।

आराधनालय वह स्थान था जहाँ बाद में जो बोलोग्रा का पिज़्ज़ा बना, जिसकी अपनी विडंबनाएँ हैं। लेकिन वैसे भी, टेट्स क्रीक पर उनका घर था। और इसलिए, शुक्रवार दोपहर को, लगभग 4:30 बजे, उनकी पत्नी उन्हें उनके अपार्टमेंट में ले जाती थी, जो आराधनालय से 200 गज की दूरी पर था, ताकि सब्बाथ के दिन, उन्हें 200 गज से ज़्यादा न चलना पड़े।

लेकिन हम इसी तरह की बात कर रहे हैं। उनमें से 613 थे। हाँ, इसी तरह से उनकी गिनती की गई।

तो, लोगों को कुछ हद तक फरीसी के रूप में व्याख्यायित किया जाता है। तो, क्या इससे सब कुछ भ्रमित नहीं हुआ? नहीं, नहीं, क्योंकि ये सभी इनकी व्याख्याएं हैं। और इसने इसे इतना शाब्दिक बना दिया।

ओह, हाँ, हाँ, हाँ। आपका पूरा जीवन ऐसा ही है। और इसीलिए यीशु और पॉल इस तरह की चीज़ों पर हमला कर रहे हैं।

वे दस आज्ञाओं पर हमला नहीं कर रहे हैं। वे वाचा के नियमों पर भी हमला नहीं कर रहे हैं। लेकिन वे इस सामान पर हमला कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए, आप एक मुर्गी द्वारा सब्बाथ के दिन दिया गया अंडा नहीं खा सकते। उसने काम किया। आपको ऐसा नहीं लगता? बस उसकी बात सुनो।

तो, आप जानते हैं, हम यहाँ हर संभव चीज़ को कवर करने जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम कानून का उल्लंघन न करें। और यह वह व्यक्ति है जिसके बारे में यीशु बात कर रहे हैं, उस व्यक्ति के बारे में जो मंदिर में खड़ा है और कहता है, मैं अपने भगवान का शुक्रिया अदा करता हूँ कि मैं इस तरह का सार्वजनिक व्यक्ति नहीं हूँ। क्या उस दिन प्रसव हुआ था? तब हुआ था।

शुद्धिकरण की अवधि दोगुनी कर दी गई। लड़का पैदा होने पर महिला सात दिन तक अशुद्ध रहती थी, लड़की पैदा होने पर 14 दिन तक। सब्त के दिन यह अवधि 14 और 28 दिन होती है।

ठीक है। श्लोक 18 से 36. इनमें क्या समानता है? व्यक्तिगत संबंध, हाँ।

और आम तौर पर, फिर से, यह हिंसा है, लेकिन उस स्तर की नहीं जो हमने श्लोक 12 से 17 में देखी थी। 12 से 17 में, यह क्रूर हिंसा होती है जो अक्सर, आम तौर पर, लगभग हमेशा मौत की ओर ले जाती है। यहाँ, हम उससे कम स्तर की बात कर रहे हैं, हालाँकि, एक बार फिर, आप मृत्यु को शामिल कर सकते हैं, लेकिन यह वास्तविक इच्छित प्रभाव की तुलना में जो कुछ हो रहा है उसका एक उपोत्पाद अधिक है।

आप देख सकते हैं कि सज़ा के प्रकार में एक क्रम है। उदाहरण के लिए, 20 और 21 पर ध्यान दें। अगर कोई आदमी किसी गुलाम, चाहे वह पुरुष हो या महिला, को डंडे से मारता है और गुलाम उसके हाथों मर जाता है, तो उसका बदला लिया जाएगा।

अब यह दिलचस्प है, हमें यह नहीं बताया गया कि बदला क्या है, लेकिन आंख के बदले आंख, दांत के बदले दांत, यह कहेगा कि मालिक मर जाएगा। दूसरी ओर, अगर गुलाम एक या दो दिन बच जाता है, तो उसका बदला नहीं लिया जाता, क्योंकि गुलाम उसका पैसा है। तो फिर, यहाँ जो कुछ हो रहा है उसके विभिन्न स्तरों से निपटने की कोशिश कर रहा हूँ।

यही बात, श्लोक 18 और 19 बहुत रोचक हैं। अगर दो लोग आपस में लड़ते हैं, और उनमें से एक मरता नहीं है, बल्कि बिस्तर पर चला जाता है, तो वह आदमी फिर से उठता है और अपनी लाठी के साथ बाहर चला जाता है। जिसने उसे मारा है, वह निर्दोष है। केवल उसे अपने समय के नुकसान की भरपाई करनी होगी और उसे पूरी तरह से ठीक किया जाएगा।

तो, अब, अगर यह आदमी चार या पाँच दिन बाद मर जाता है, तो यह एक और कहानी है। तो फिर, जीवन की जटिलताओं और जीवन के विभिन्न तत्वों से निपटने की कोशिश कर रहा हूँ। क्या आप इस पर और कुछ टिप्पणी करना चाहते हैं? क्या आपको लगता है कि अगर जेल होती तो इसमें कोई अंतर होता? शायद।

फिर से, ये मेसोपोटामिया के कानूनों से काफी मिलते-जुलते हैं। ये मेसोपोटामिया के कानूनों से ज्यादा मानवीय हैं। हम जानते हैं कि मेसोपोटामिया के लोगों के पास जेलें थीं, लेकिन वे ऐसी जगहें थीं जहाँ आप जाना नहीं चाहते थे क्योंकि, आम तौर पर, आप वहाँ से फिर कभी बाहर नहीं आ पाते थे।

तो, हो सकता है ऐसा हो। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। 22:1 से 17.

इन आदेशों में क्या समानता है? संपत्ति, हाँ, और संपत्ति का जिम्मेदाराना व्यवहार। प्रतिपूर्ति से निपटना। 22:1. यदि कोई व्यक्ति भेड़ के बदले बैल चुराता है और उसे मार डालता है या बेच देता है, तो उसे एक बैल के बदले पाँच बैल और एक भेड़ के बदले चार भेड़ें चुकानी होंगी।

अगर कोई चोर घर में सेंध लगाता हुआ पकड़ा जाता है और उसे इतनी चोट लगती है कि वह मर जाता है, तो उस पर खून का कोई दोष नहीं होगा। कोई आदमी आपके घर में घुसता है और आप उसे गोली मार देते हैं और वह मर जाता है; यही होता है। लेकिन अगर उस पर सूरज उग चुका है, तो उस पर खून का दोष होगा।

हम किस बारे में बात कर रहे हैं? वह आदमी मेरे घर में है, और वह दरवाज़े से बाहर भागते हुए मेरी ओर मुड़ता है और मैं उसे पहचानता हूँ। तो कल सुबह, मैं उसके घर गया, और उसने दरवाज़ा खोला, और मैंने उसे उड़ा दिया। बाइबल कहती है, उह-उह, वह आत्मरक्षा नहीं थी, वह प्रतिशोध था, और प्रतिशोध प्रभु का है।

तो, यहाँ खुद की और अपनी संपत्ति की रक्षा और जो कुछ भी आपके साथ हुआ है, उसके लिए प्रतिशोध के बीच एक दिलचस्प, दिलचस्प रेखा खींची जा रही है। हाँ? तो, यह उस बात का जिक्र नहीं है कि अगर वह किसी तरह दिन के समय आपके घर में घुस आया। ठीक है।

यह उस बारे में बात नहीं कर रहा है। खास तौर पर नहीं। और मुझे लगता है, फिर से, उस समाज में, दिन के समय घर के आसपास लगभग हमेशा कोई न कोई रहता होगा, इसलिए ऐसा होने की संभावना नहीं है।

कोई आपको संपत्ति की देखभाल करने के लिए देता है, और आप उसका दुरुपयोग करते हैं। आपको उसे प्रतिपूर्ति के साथ चुकाना होगा। आप उसे खो देते हैं।

फिर आपको पुजारी के सामने जाकर शपथ लेनी होगी। और, उह, यह माना जाता है कि अगर आप शपथ लेकर झूठ बोलते हैं, तो आपके साथ कुछ बुरा होने वाला है। अगर यह चोरी हो जाता है, तो आपको सबूत देना होगा कि यह चोरी हुआ था।

तो फिर, आपकी संपत्ति के साथ मेरे रिश्ते की यह पूरी बात और ईश्वर द्वारा किसी व्यक्ति की संपत्ति पर लगाया जाने वाला मूल्य। अगर यहाँ कुछ है, तो मुझे राजनीतिक होने के लिए क्षमा करें, लेकिन अगर कोई ऐसी चीज है जो समाजवाद के खिलाफ मेरे मन में पूर्वाग्रह पैदा करती है, तो वह इस तरह की चीज है। ईश्वर आपकी संपत्ति को महत्व देता है, और मैं इसे हमारी आम

संपत्ति के रूप में नहीं ले सकता और आपकी चीजों का उपयोग उस चीज के लिए नहीं कर सकता जो मुझे लगता है कि आम भलाई के लिए है।

आपको मुझसे सहमत होने की ज़रूरत नहीं है। ठीक है। तो, क्या यीशु जिस तरह की पृष्ठभूमि के बारे में बात कर रहे थे, क्या उन लोगों को प्रतिभाएँ दी गई थीं जिन्हें स्वामी के लिए रखने के लिए प्रतिभाएँ दी गई थीं? हम्म-हम्म।

हम्म-हम्म। बिल्कुल यही बात है। बिल्कुल यही बात है।

उन्हें गुणा करने के लिए कहा गया था, और उन्होंने ऐसा नहीं किया। ठीक है। 2218 से 31 तक।

आइए इन पर नज़र डालें और रात को यहीं रुकें। ये किस बारे में हैं? नैतिकता। हाँ।

हाँ, विशेष रूप से, हाँ।

सामाजिक न्याय एक नैतिक, नैतिक सेटिंग में है। आपको एक जादूगरनी को जीने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। वह शायद इसे सामाजिक न्याय नहीं कहेगी, लेकिन नंबर एक, जादू का इस समाज में कोई स्थान नहीं है।

जो कोई भी जानवर के साथ संभोग करता है उसे मौत की सज़ा दी जानी चाहिए। जो कोई भी भगवान के अलावा किसी और भगवान को बलि चढ़ाता है उसे विनाश के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। संभवतः ये तीनों ही मूर्तिपूजक धर्म के बारे में हैं।

मैंने आपसे पहले भी बुतपरस्त विश्वदृष्टि के बारे में बात की है। विचार यह है कि मानव, ईश्वर और प्रकृति के बीच कोई बुनियादी अंतर नहीं है। ये तीनों क्षेत्र एक दूसरे का हिस्सा हैं।

यहाँ क्या होता है? यह स्वतः ही वहाँ दोहराया जाता है। यहाँ जो होता है वह स्वतः ही यहाँ दोहराया जाता है। आदि।

इसलिए, अगर मैं चाहता हूँ कि प्रकृति में कुछ घटित हो, तो मैं अपनी दुनिया में कुछ ऐसा करता हूँ जिसे देवता दोहराते हैं और परिणाम यह होता है कि प्रकृति में वही घटित होता है। कोई सीमा नहीं है। इसलिए, पुरुष और पुरुष के बीच कोई सीमा नहीं है।

पिता और बेटी के बीच कोई सीमा नहीं होती। मनुष्य और जानवर के बीच कोई सीमा नहीं होती। और आप सूची में नीचे की ओर बढ़ते जाते हैं।

कोई सीमा नहीं है। यही वह दुनिया है जिसमें हम आज रहते हैं। हमारी दुनिया गहराई से, मूल रूप से बुतपरस्त है।

और अगर आप कहते हैं कि कोई सीमा है, तो आप भेदभाव के दोषी हैं। एक घृणा अपराध। हाँ, ओह हाँ।

तो, यह बिलकुल स्पष्ट लगता है कि बुतपरस्त अनुष्ठानों में, धार्मिक बिंदु बनाने के लिए पशुता का अभ्यास किया जाता था। तो, यह शायद यहाँ सिर्फ एक विविध संगठन नहीं है। जादूगरनी, पशुता, किसी अन्य देवता के लिए बलि देना।

मैं श्लोक 20 में प्रयुक्त शब्द पर टिप्पणी करना चाहूँगा। जो कोई भी केवल यहोवा के अलावा किसी अन्य देवता को बलि चढ़ाता है, वह विनाश के लिए समर्पित होगा। उसे सिर्फ मार नहीं दिया जाएगा।

सिर्फ मौत की सज़ा नहीं। उन दोनों के लिए दो अलग-अलग हिब्रू शब्द हैं। यह तीसरा शब्द है।

यह शब्द है, मुझे लगता है कि हमने इसके बारे में पहले भी बात की है, यह तीन मूल शब्दों या उनके तीन व्यंजनों, चेत, एक मोटे तौर पर एच, आर, और एम पर आधारित शब्द है। और इसका मतलब है वह जो सीमा से बाहर है। हमारे पास यह अंग्रेजी में है। यह एक अरबी उधार शब्द है।

हरम। वे औरतें वर्जित हैं। वे शेख की हैं।

और कोई भी उन्हें मृत्यु की पीड़ा से नहीं छू सकता। परमेश्वर कह रहा है कि जो व्यक्ति उसके अलावा किसी अन्य देवता को बलि चढ़ाता है, वह खुद को परमेश्वर के लिए पवित्र बनाता है, इस अर्थ में कि वह बलि बन जाता है।

यही जेरिको था। कनानी लोग थे। इसलिए, यह यहाँ एक मजबूत धार्मिक बात रख रहा है।

उन्होंने एक तरह से खुद को परमेश्वर के हाथों में सौंप दिया है और उन्हें परमेश्वर के लिए बलिदान के अलावा किसी और काम के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। तो यह श्लोक 20 है। और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है।

मुझे आयत 25, 26 और 27 पर टिप्पणी करने दीजिए। अब, बेशक, आप अपने किसी भी इब्रानी भाई-बहन को ब्याज पर पैसा उधार नहीं दे सकते। आप गैर-यहूदियों को ब्याज पर पैसा उधार दे सकते हैं, लेकिन आप अपने ही लोगों में से किसी को ब्याज पर पैसा उधार नहीं दे सकते।

लेकिन यहाँ एक गरीब व्यक्ति है। उसे कुछ नकदी की ज़रूरत है। और वह मेरे पास आता है और कहता है, सर, क्या आप मुझे एक शेकेल उधार दे सकते हैं? मैं इसे दो दिन में वापस कर सकता हूँ।

और मैं कहता हूँ, तुम्हारे पास जमानत के लिए क्या है? और वह कहता है, मेरे पास सिर्फ मेरा लबादा है। ठीक है, मैं तुम्हारा लबादा ले लूँगा। अब कानून कहता है, सूर्यास्त के समय, तुम उस आदमी को ढूँढ़ो और उसे उसका लबादा वापस दो।

उसके पास सिर्फ यही कंबल है। सुबह आप इसे वापस ले सकते हैं। लेकिन यहाँ भी मानवीय तत्व है, यह चिंता सिर्फ कानूनी मामलों के लिए नहीं है, बल्कि मानवीय रिश्तों के कामकाज के लिए भी है।



अगर वह मुझे पुकारेगा, तो मैं सुनूंगा, क्योंकि मैं दयालु हूँ। अब, फिर से, पेट्रीसिया ने कहा कि यह खंड सामाजिक न्याय के बारे में है। यह सच है।

लेकिन यह सामाजिक न्याय है जो पूरी तरह से ईश्वर की पूजा से जुड़ा हुआ है। और यह हमें वापस वहीं ले आता है जहाँ से हमने शुरुआत की थी। मैं ये सब क्यों करता हूँ? मैं ऐसे व्यक्ति के साथ क्यों व्यवहार करता हूँ जिसका कोई सामाजिक लाभ नहीं है, एक सच्चे इंसान की तरह? खैर, बस मेरे दिल की अच्छाई की वजह से।

नहीं। क्योंकि वह व्यक्ति भी मेरी तरह ही ईश्वर की छवि में बनाया गया था। इसलिए, इस सबका पूजनीय आधार महत्वपूर्ण है।

अमेरिका में गुमनाम नास्तिकों को शर्मिंदा करने वाली चीजों में से एक यह है कि अब वे गुमनाम नहीं हैं, लेकिन यह तथ्य है कि नास्तिकों में कोई परोपकारिता नहीं है। क्यों नहीं? क्योंकि दूसरों की खातिर अपने स्वार्थ को त्यागने की कोई पूजा प्रेरणा नहीं है। वे यहीं से भाग रहे थे।

यह एक दिव्य वाचा है। यह परमेश्वर के साथ एक वाचा है। हम इस तरह से क्यों कार्य करते हैं? हम ये काम क्यों करते हैं? क्योंकि ये सृष्टिकर्ता परमेश्वर के चरित्र को दर्शाते हैं।

अगर कोई रचयिता, ईश्वर नहीं है, तो हम यह समझाने में असमर्थ हो जाएंगे कि दुनिया में किसी को नैतिक क्यों होना चाहिए। यह बेवकूफी है। यह एक कुत्ते-खाने-कुत्ते वाली दुनिया है।

किसी और की परवाह कौन करता है? आह। लेकिन अगर, वास्तव में, आप उस ईश्वर के हैं जिसने आपको अनुग्रह के द्वारा दासता से मुक्त किया है, तो उसका जीवन जीना, एक ऐसा जीवन जो उसके सभी बच्चों की भलाई के बारे में भावुकता से चिंतित है, आह, यह सब कुछ बदल देता है। ठीक है।

हम अगले सप्ताह वाचा व्यवहार के इन उदाहरणों में से तीसरे के साथ जारी रखेंगे और फिर वाचा की मुहरबंदी, अध्याय 24 में सीलिंग।

यह डॉ. जॉन ओसवाल्ट द्वारा निर्गमन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 11, निर्गमन 21-22 है।